मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 257, मुंबई, शनिवार, 26 नवंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
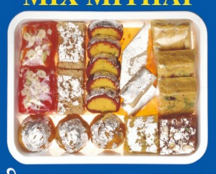
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

ठाणे में दिल दहला देने वाली घटना

गले में मछली फंसने से 6 माह के बच्चे की मौत

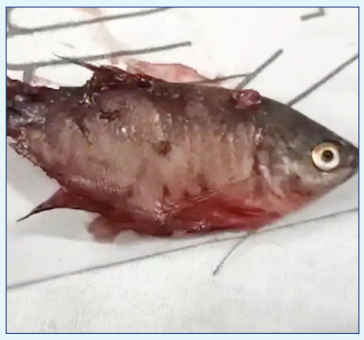

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। ठाणे जिले के अंबरनाथ में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। जहां गले में मछली का कांटा फंसने से छह माह के बच्चे की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि खेलते समय बच्चे ने मछली को मुंह में डाल लिया। नतीजतन दम घुटने से बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। घटना अंबरनाथ के उलन चाल इलाके में हुई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में खलबली मच गई। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

कॉलेज में एडमिशन के लिए बालिग छात्रों को पहले बनना होगा वोटर

संवाददाता

नई दिल्ली। वोटर रजिस्ट्रेशन जल्द ही महाराष्ट्र के विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए अनिवार्य दस्तावेजों में से एक होगा। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने फैसला किया है कि 18 साल से अधिक उम्र के अभ्यर्थियों को कॉलेज में प्रवेश से पहले वोटर रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

वर्तमान में 90 प्रतिशत विश्वविद्यालय और कॉलेज के छात्र वोटर रजिस्ट्रेशन लिस्ट से बाहर हैं

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

ट्रक ने 6 गाड़ियों को मारी टक्कर

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बोरघाट के पास शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार ट्रक ने 6 वाहनों को टक्कर मार दी। जिससे कई वाहनों को भारी नुकसान हुआ है। जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए है। मिली जानकारी के मुताबिक, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रायगढ़ जिले में खोपोली के पास (25 नवंबर) तड़के एक्सप्रेसवे पर छह वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। एक हफ्ते पहले मुंबई पुणे एक्सप्रेसवे पर एक भयानक हादसा हुआ था। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

शराब की बोतलों में छिपा रखी थी 20 करोड़ की कोकीन

मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया तस्कर

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों ने बीते गुरुवार एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि पकड़ा गया तस्कर शराब की बोतलों में कोकीन छिपाकर ले जा रहा था। तभी तस्कर के इस कारनामे की भनक अधिकारियों को लग गई। जिसके चलते समय रहते ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के मुताबिक पकड़ गया तस्कर शराब की दो बोतलों में करीब 3.6 किलो कोकीन भरकर ले जा रहा था। जिसकी कीमत करीब 20 करोड़ बताई जा रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

चुनाव-आयुक्त का चुनाव कैसे हो?

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और किसी भी लोकतंत्र की श्वास-नली होती है- चुनाव। उसमें होनेवाले लोक-प्रतिनिधियों के चुनाव निष्पक्ष हों, यह उसकी पहली शर्त है। इसीलिए भारत में स्थायी चुनाव आयोग बना हुआ है लेकिन जब से चुनाव आयोग बना है, उसके मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य आयुक्तों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार के हाथ में है। हमारे चुनाव आयोग ने सरकारी पार्टियों के खिलाफ भी कई बार कार्रवाइयां की हैं लेकिन माना यही जाता है कि हर सरकार अपने मनपसंद नौकरशाह को ही इस पद पर नियुक्त करना चाहती है ताकि वह लाख निष्पक्ष दिखे लेकिन मूलतः वह सत्तारुढ़ दल की हित-रक्षा करता रहे। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय में अरूण गोयल की ताजातरीन नियुक्ति के विरुद्ध बहस चल रही है। गोयल 17 नवंबर तक केंद्र सरकार के सचिव के तौर पर काम कर रहे थे लेकिन उन्हें 18 नवंबर को स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति दी गई और 19 नवंबर को उन्हें मुख्य चुनाव आयुक्त बना दिया गया। उसके पहले अदालत इस विषय पर विचार कर रही थी कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया में सुधार कैसे किया जाए। किसी भी अफसर को स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति के पहले तीन माह का नोटिस देना होता है लेकिन क्या वजह है कि सरकार ने तीन दिन भी नहीं लगाए और गोयल को मुख्य चुनाव आयुक्त की कुर्सी में ला बिठाया? इसका अर्थ क्या यह नहीं हुआ कि दाल में कुछ काला है? इसी प्रश्न को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने अब सरकार की तगड़ी खिंचाई कर दी है। अदालत ने सरकार को आदेश दिया है कि गोयल की इस आनन-फानन नियुक्ति के रहस्य को वह उजागर करे। नियुक्ति की फाइल अदालत के सामने पेश की जाए। अदालत की राय है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सिर्फ सरकार द्वारा ही नहीं की जानी चाहिए। विरोधी दल के नेता और सर्वोच्च न्यायाधीश को भी नियुक्ति-मंडल में शामिल किया जाना चाहिए। अदालत की यह मांग सर्वथा उचित है लेकिन अदालत को फिलहाल यह अधिकार नहीं है कि वह किसी नियुक्ति को रद्द कर सके। वास्तव में गोयल की नियुक्ति को अदालत रद्द नहीं करना चाहती है लेकिन वह दो बात चाहती है। एक तो यह कि नियुक्ति-मंडल में सुधार हो और दूसरा चुनाव आयुक्तगण कम से कम अपनी छह साल की कार्य-सीमा पूरी करें। सबसे लंबे 5 साल तक सिर्फ टीएन शेषन ने ही काम किया, जबकि ज्यादातर चुनाव आयुक्त कुछ ही माह में सेवा-निवृत्त हो गए, क्योंकि उनकी आयु-सीमा 65 वर्ष है। अदालत चाहती है कि भारत के चुनाव आयुक्त निष्पक्ष हों और वैसे दिखें भी और उन्हें पर्याप्त समयावधि मिले ताकि वे हमारी चुनाव-प्रक्रिया में अपेक्षित सुधार भी कर सकें।

अदालत के सहारे चुनाव आयोग में सुधार!

असल में संविधान की सारी व्यवस्था के बावजूद सब कुछ बिगड़ा हुआ है तो वह नागरिकों के चरित्र की वजह से है। सब किसी न किसी किस्म के लालच या भय से ग्रसित हैं। उनमें गलत को गलत कहने की हिम्मत नहीं है। इसके एकाध अपवाद होंगे लेकिन अपवादों से संस्थाएं नहीं बनती हैं।

चुनाव आयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट के सवाल बिल्कुल जायज हैं। उसके सरोकार भी पूरी तरह से सही हैं। लेकिन सुधार का जो तरीका बताया जा रहा है वह बहुत तर्कसंगत नहीं है। न्यायपालिका के जरिए चुनाव आयोग जैसी संस्था में सुधार संभव नहीं है। अगर इससे कोई सुधार होता भी है तो वह तात्कालिक होगा और आयोग के कामकाज में गुणात्मक बदलाव लाने वाला नहीं होगा। असल में चुनाव आयोग की समस्या बहुआयामी है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ अभी जो मामला सुन रही है या जो टिप्पणी की है वह आयुक्तों की नियुक्ति और मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल से जुड़ी है। तभी अदालत ने यह सुझाव दिया कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए उच्च न्यायपालिका की तरह एक कॉलेजियम बने, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस भी शामिल हों। अगर इस सुझाव का समर्थन किया जाता है तो फिर बात काफी आगे बढ़ जाएगी और कई संस्थाएं इसके दायरे में आ जाएंगी और उसके बावजूद सुधार होगा, इसकी गारंटी नहीं होगी।

मिसाल के तौर पर सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति एक कॉलेजियम यानी कमेटी के जरिए होती है, जिसमें प्रधानमंत्री के साथ साथ नेता विपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस या उनकी ओर से अधिकृत किया गया सर्वोच्च अदालत का कोई जज शामिल होता है। इसके बावजूद क्या सीबीआई निदेशक की नियुक्ति पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ और राजनीतिक दखल से मुक्त हो पाई है? सीबीआई के मौजूदा निदेशक सुबोध जायसवाल की नियुक्ति के समय कमेटी की बैठक में तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमना ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का हवाला दिया था और कहा था कि जिन अधिकारियों का कार्यकाल छह महीने से कम बचा है उनके नाम पर इस पद के लिए विचार नहीं किया जाए। इस वजह से राकेश अस्थाना और वाईसी मोदी के नाम रेस से बाहर हो गए थे। सो, कमेटी में चीफ जस्टिस के होने से यह फायदा हुआ लेकिन इससे सीबीआई की स्थिति कहां सुधरी। वह तो अब भी सरकार का तोता ही है! ऊपर से अगर यह सिस्टम लागू हुआ तो हर जगह कॉलेजियम बनाने का पंडोरा बॉक्स खुल जाएगा। जैसे अभी से यह मांग उठने लगी है कि उच्च न्यायपालिका में नियुक्ति व तबादले के लिए बने कॉलेजियम में कानून मंत्री और नेता विपक्ष को भी शामिल किया जाए? क्या न्यायपालिका इसके लिए तैयार होगी?

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की कमियों को सही पहचाना है। जस्टिस केएम जोसेफ ने सही पूछा कि क्या किसी चुनाव आयुक्त ने प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की है या अगर प्रधानमंत्री के खिलाफ शिकायत आ जाए तो चुनाव आयुक्त या मुख्य चुनाव आयुक्त क्या कार्रवाई करेंगे? यह भी सही है कि चुनाव आयोग पूरी तरह से सरकार की हां में हां मिलाने वाली संस्था हो गई है। लेकिन ऐसा होने का कोई एक कारण नहीं है। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का तरीका, चुनाव आयोग का सांस्थायिक ढांचा, संविधान से मिले उसके अधिकार और सबसे ऊपर नियुक्त होने वाले अधिकारियों की ईमानदारी और साहस इसके लिए जिम्मेदार हैं। आखिर अशोक लवासा भी इसी सिस्टम से चुनाव आयुक्त बने थे लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भाषणों को लेकर कार्रवाई की सिफारिश की थी। हालांकि तीन सदस्यों के आयोग में बाकी दो सदस्य इसके लिए तैयार नहीं हुए। तब लवासा ने यह भी कहा था कि दो आयुक्तों के फैसले से उनकी असहमति को दर्ज किया जाए। लेकिन उनकी असहमति भी दर्ज नहीं की गई और थोड़े दिन के बाद ही लवासा की पत्नी और दूसरे रिश्तेदारों के यहां आयकर विभाग ने छापा मार दिया। उसके बाद वे भी ठंडे पड़ गए और वीआरएस लेकर एशियन डेवलपमेंट बैंक में चले गए। ऐसे में कौन अधिकारी स्वतंत्र रूप से फैसला करने का जोखिम लेगा! असल में देश का समूचा तंत्र भय से संचालित हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने टीएन शेषन का जिक्र किया, जिन्होंने चुनाव आयोग को एक नई पहचान दी थी। लेकिन वह संस्थागत मामला नहीं था। वह एक व्यक्ति की जिद और समझ से हो पाया था अन्यथा चुनाव आयोग तो पहले भी था और पहले भी आयुक्त नियुक्त होते थे। सो, कई बार किसी संस्था का भविष्य या उसका कामकाज उसे संभालने वाले व्यक्ति पर निर्भर होता है। भारत में कम से कम यही स्थिति है। अगर कोई ईमानदार, समझदार और साहसी व्यक्ति किसी पद पर बैठ जाए तो वह पूरी संस्था को बदल सकता है। लेकिन यह संयोग की बात होती है और संस्थाओं को संयोग के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता है। संस्थाओं को सांस्थायिक तरीके से मजबूत करने की जरूरत है और यह तब तक नहीं होगा, जब तक संसद मजबूत नहीं होगी। जब तक संसद सरकार की हां में हां मिलाने वाली संस्था बनी रहेगी तब तक किसी भी संस्था को निष्पक्ष, तटस्थ, वस्तुनिष्ठ और जन सरोकार वाला नहीं बनाया जा सकता है।

यह असल में एक तरह का दुष्चक्र है। भारत में बार बार शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत की बात होती है। जब सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़ी फाइल मांगी तो सरकार ने यही कहा कि अदालत को शक्ति के पृथक्करण के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। लेकिन सवाल है कि यह सिद्धांत है कहां? क्या सारी संस्थाएं सचमुच में अधिकारसंपन्न हैं और स्वतंत्र होकर काम कर रही हैं? क्या देश की संसद सरकार से स्वतंत्र है? असल में भारत में सरकार सब कुछ है।

वह माई-बाप है। सरकार जो सोचती है संसद में वहीं काम होता है। भारत में शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा कि पूर्ण बहुमत वाली सरकार संसद में अपनी मनमानी नहीं कर सकी हो। सो, भारत में विधायिका को संविधान से भले जो अधिकार मिले हों लेकिन वह पूरी तरह से कार्यपालिका के अधीन है। जब संसद ही सरकार के अधीन होगी तो बाकी संस्थाओं के बारे में क्या कहा जा सकता है? ऊपर से जब सरकार ऐसी आ जाए, जिसकी मंशा हर संस्था को नियंत्रित करने की हो तो उसे नहीं रोका जा सकता है। उसे रोकने का तरीका यही होता है कि वह चुनाव हार जाए। बहरहाल, अगर सुप्रीम कोर्ट की बात मान भी ली जाए, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम भी बन जाए और मुख्य चुनाव आयुक्त का पांच या छह साल का कार्यकाल भी फिक्स्ड कर दिया जाए तो क्या इस बात की गारंटी होगी कि आयोग सरकार की हां में हां मिलाने वाला नहीं रह जाएगा? कोई भी इसकी गारंटी नहीं दे सकता है। देश में कई पद हैं, जिनके लिए फिक्स्ड कार्यकाल है लेकिन क्या उन पदों पर बैठे लोग सिर्फ सरकार की मर्जी पर अमल कराने का काम नहीं करते हैं? असल में संविधान की सारी व्यवस्था के बावजूद सब कुछ बिगड़ा हुआ है तो वह नागरिकों के चरित्र की वजह से है। सब किसी न किसी किस्म के लालच या भय से ग्रसित हैं। उनमें गलत को गलत कहने की हिम्मत नहीं है। इसके एकाध अपवाद होंगे लेकिन अपवादों से संस्थाएं नहीं बनती हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दै. मुंबई हलचल की खबर का असर

भिवंडी के सरकारी आईजीएम अस्पताल के डॉक्टरों पर होगी सख्त कार्रवाई

बीजेपी के पूर्व नगरसेवक सुमित पाटील और समाजवादी के विधायक रईस शेख, डीसीपी ने कहा दोषी डॉक्टरों को बख्शा नहीं जाएगा

मुंबई हलचल / संवाददाता

भिवंडी। गत 24 नवंबर गुरुवार को दैनिक मुंबई हलचल में भिवंडी शहर के सरकारी आईजीएम अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही की खबर प्रकाशन की गई थी जिसमें बताया गया था कि किस तरह से डॉक्टर की लापरवाही से एक महिला की जान गई थी यह खबर का असर ऐसा हुआ कि सोशल मीडिया पर यह खबर आग की तरह फैल गई भिवंडी शहर की तमाम एनजीओ सामाजिक संस्था और पूर्व बीजेपी के नगरसेवक सुमित पाटिल और विधायक रईस शेख मृतक सविता दिनेश यादव की बहन सरिता को न्याय दिलाने पर उतर आए और सरकारी आईजीएम अस्पताल के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है इस पूरे मामले में मृतक सविता दिनेश यादव की बहन सरिता ने दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान को बताया कि आपके माध्यम से प्रकाशन की गई खबर का असर ऐसा हुआ सभी सामाजिक संस्थाएं डॉक्टर और पूर्व बीजेपी नगरसेवक सुमित पाटिल और समाजवादी पार्टी की विधायक रईस शेख मेरी मदद करने के लिए सामने आ गए और मेरी मृतक बहन के मामले का गंभीरता से संज्ञान लिया गया और बीजेपी के पूर्व नगरसेवक सुमित पाटील द्वारा सोशल मीडिया पर बयान देते हुए कहा भिवंडी शहर के सरकारी आईजीएम अस्पताल

मुंबई हलचल सिटी हलचल

भिवंडी के आईजीएम हॉस्पिटल में डॉ द्वारा की गई लापरवाही से गई एक महिला की जान

द्वारा मनमानी लापरवाही के और मरीजों के साथ में अभद्र व्यवहार के कई मामले सामने आए हैं इसको लेकर आक्रोशित होते हुए कहा अब तो डॉक्टर की लापरवाही से मरीजों की जान जाने भी लग गई है उन्होंने स्पष्ट रूप से कह दिया कि जिस प्रकार मृतक सविता दिनेश यादव की मृत्यु हुई है उससे डॉक्टर की लापरवाही साफ देखी जा सकती है उन्होंने डीसीपी से बात की और जल्द लापरवाह गैर जिम्मेदार डॉक्टरों पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है और डीसीपी ने यह आश्वासन दिया है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा सरिता ने बताया इस मामले में समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा सरकारी आईजीएम अस्पताल में गरीबों के साथ में जुल्म किया जा रहा है जिसे कतई तौर पर अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने आश्वासन दिया है कि वह खुद इस मामले का पूरा गंभीरता से संज्ञान लेंगे और अस्पताल प्रशासन के डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज कराएंगे और दोषी डॉक्टरों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा जिससे दूसरे सरकारी अस्पताल में उपस्थित डॉक्टर को सबक मिल सके उन्होंने कहा मृतक सविता दिनेश यादव को मुआवजा भी दिलाएंगे सरिता ने बताय सभी सामाजिक संघटना और एनजीओ संस्था द्वारा और मेरे शुभचिंतक सैकड़ों की तादाद में 25 नवंबर शुक्रवार को पुलिस स्टेशन मैं जाएंगे और लापरवाह डॉक्टरों के विरुद्ध में एफआईआर दर्ज की जाएगी मृतक सविता दिनेश यादव की बहन सरिता ने दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान और संपादक दिलशाद खान का दिल से आभार प्रकट किया है कि उनकी द्वारा खबर प्रकाशन से उनको न्याय मिला है आपको बताते चलें जिस प्रकार सरकारी अस्पतालों में मरीजों की लापरवाही को लेकर कई एक मामले सामने आ रहे हैं कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल मैं भी लापरवाही और मरीजों के साथ में अभद्र व्यवहार के काफी शिकायतें आ रही हैं जहां पर डॉक्टर द्वारा मरीजों का गंभीरतापूर्वक ध्यान नहीं दिया जाता हैं मरीजों को भेड़ बकरी समझा जाता है जबकि सरकारी अस्पताल जनता की सुविधाओं के लिए बनाया गया है लेकिन डॉक्टर और नर्स की लापरवाही के कारण आए दिन कोई न कोई मरीजों की जान जाने के मामले सामने आते रहते हैं महाराष्ट्र राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर तानाजी सावंत से निवेदन है की कृपा राज्य में चल रहा है सरकारी अस्पताल पर और उनके प्रशासन पर आप अपना ध्यान गंभीरता से केंद्रित करें।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला

वोटिंग के बारे में युवाओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने यह निर्णय लिया है। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कहा, शिंदे-फडणवीस सरकार कॉलेजों में प्रवेश के लिए 18 वर्ष से अधिक उम्र के छात्रों के लिए अपना वोटर रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य करेगी। गुरुवार को मुंबई में राजभवन में गैर-कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के छात्रों द्वारा वोटर रजिस्ट्रेशन के निराशाजनक प्रतिशत पर बल देते हुए उन्होंने कहा, सरकार कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए छात्रों को अपना वोटर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य करने के लिए एक प्रस्ताव जारी करेगी। पाटिल ने बताया कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अनिवार्य रूप से जून 2023 से चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करेगी और विश्वविद्यालयों को निर्णय लागू करना होगा। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालयों के पास कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उन्हें एनईपी के तहत अनिवार्य रूप से जून से चार वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम को लागू करना होगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा करने में विफल रहने वालों के खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि एनईपी के कार्यान्वयन पर कुलपतियों की चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार जल्द ही सेवानिवृत्त कुलपतियों की एक समिति का गठन करेगी।

शराब की बोतलों में छिपा रखी थी 20 करोड़ की कोकीन

अधिकारियों ने बताया कि पकड़ा गया तस्कर यात्री अदीस अबाबा होते हुए लागोस से मुंबई यात्रा कर पहुंचा था। जहां से अक्सर कर लोग दवाई मंगाते हैं। डीआरआई अधिकारियों को इस तस्करी को लेकर खुफिया जानकारी मिली थी। जिस पर यात्री को रोका गया। क्योंकि स्कैनिंग से नशीले पदार्थों की उपस्थिति का पता नहीं चलता। इस वजह से सामान की गहन तलाशी ली गई। इस दौरान अधिकारियों को 1 लीटर की दो शराब की बोतलें बरामद हुईं। एक ड्रग-डिटेक्शन किट के जरिए बोतलों में तरल पदार्थ का परीक्षण करने पर कोकीन की होने का पता चला। पकड़े गए विदेशी नागरिक पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

ठाणे में दिल दहला देने वाली घटना

मिली जानकारी के मुताबिक, सरफराज अंसारी अपने परिवार के साथ अंबरनाथ पश्चिम के उलन चाल में रहते हैं। उनके घर में 6 महीने पहले बेटे शहबाज का जन्म हुआ। गुरुवार की रात शहबाज अन्य बच्चों के साथ घर के बाहर खेल रहा था। इस बीच वह अचानक से रोने लगा। जिसके बाद दूसरे बच्चों ने शहबाज के माता-पिता को इसकी जानकारी दी। बाद में शहबाज के माता-पिता ने उसे शांत करने की कोशिश की लेकिन वह रोता रहा। इसलिए दोनों उसे एक निजी अस्पताल ले गए। लेकिन वहां भी डॉक्टरों को कुछ समझ नहीं आया, उधर मासूम की तबियत बिगड़ती चली गई। जिसके बाद घबराये शाहबाज के माता-पिता उसे उल्हासनगर के सरकारी अस्पताल ले गए। लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही दुर्भाग्य से शहबाज की मौत हो गई थी।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा

प्रारंभिक रिपोर्ट में पता चला है कि ट्रक के चालक ने नियंत्रण खो दिया था, जिसके कारण वह वाहनों से टकरा गया। पुलिस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच का रही है।

येसवीकैन फाउंडेशन और खिदमते खल्क द्वारा आयोजित किया गया इज्तेमाई निकाह, 24 जोड़ों की कराई गई शादी

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। येसवीकैन फाउंडेशन और खिदमते खल्क संस्था द्वारा गत 24 नवंबर गुरुवार को वाय जंक्शन स्थित आर्लिन लॉन और विंसेंट लॉन में इज्तेमाई निकाह समारोह का आयोजन किया गया यह संस्था द्वारा 24 जोड़ों की शादी कराई गई इस मौके पर येसवीकैन फाउंडेशन के प्रोफेसर हसन मुल्लानी ने बताया यह शादी समारोह में 24 जोड़ों की शादी कराई गई जोकि गरीब परिवार से थे और हमारी संस्था में लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और उनकी मदद से आज हम यह शादी समारोह के कार्यक्रम को अंजाम दे सके हमारी संस्था द्वारा तमाम 24 जोड़ों की लिए पूरा दहेज का सामान दिया गया जिसमें कबाड़ पलंग 10 जोड़ी दुल्हन का कपड़े सोने की अंगूठी बर्तन

डिनर सेट गैस का चूल्हा प्रेशर कुकर मिक्सर और तमाम जो घर में उपयोग होने वाले है वह सभी चीजे हमारी संस्था द्वारा दहेज में दी गई उन्होंने बताया मुंब्रा शहर में अभी तक होने वाली इज्तेमाई निकाह में सबसे बड़ा शादी समारोह यही था जिसमें ज्यादातर दुल्हन जो कि मुंब्रा की रहवासी है और जो दूल्हे हैं वह अलग-अलग शहरों के हैं हमारे संस्था की तरफ से तकरीबन चार हजार लोगों के खाने का इंतजाम किया गया उन्होंने लोगों का शुक्र अदा किया जिस प्रकार लोगों की मदद से आज यह शादी समारोह का काम को संपन्न किया गया उन्होंने बताया हमारी संस्था गरीब लड़का हो या लड़की जिनकी पारिवारिक स्थिति खराब है और पैसों की तंगी की वजह से वह अपने बेटे बेटी की शादी नहीं कर सकते तो उन्होंने निवेदन किया है कि वह हमारी संस्था से आकर संपर्क करें और हमारे संस्था उन लोगों की मदद करेगी उन्होंने बताया है कि आने वाले 30 नवंबर गुरुवार 2023 को इसी तरह का इज्तेमाई निकाह कराया जाएगा जिस किसी को भी अपनी बेटे बेटियों की शादी करानी हो जिनकी पारिवारिक स्थिति खराब हो वह हमारे संस्था से आकर मिले इस शादी समारोह में सभी राजनीतिक दल सामाजिक लोगों की उपस्थिति देखी गई और यह समारोह 7:00 बजे शुरूआत होने के बाद 12:00 बजे तक संपन्न किया गया और इस शादी समारोह में येसवीकैन की तमाम 150 वॉलिंटियर्स ने बखूबी अपने काम को अंजाम दिया।

7 दिसंबर से शुरू होगा संसद का शीतकालीन सत्र, सरकार ने 6 दिसंबर को बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर तक चलने वाला है। इस दौरान सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित हो इसके लिए सरकार ने 6 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया, सर्वदलीय बैठक छह दिसंबर को सुबह 11:00 बजे बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि इस बैठक (सरकार द्वारा बुलाई) में संसद सत्र के दौरान सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित करने के लिये सभी राजनीतिक दलों का सहयोग मांगा जावेगा। 7 दिसंबर से शुरूआत और 29 दिसंबर को समापत होने तक इस सत्र में कुल 17 बैठकें होंगी। लोकसभा और राज्यसभा ने अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी करके तारीखें अधिसूचित कर दी हैं। लोकसभा सचिवालय के बयान में कहा गया है कि 17वीं लोकसभा का दसवां सत्र सात दिसंबर से शुरू होगा और सरकारी कामकाज के अनुरूप यह 29 दिसंबर को समाप्त हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि सत्र पुराने संसद भवन में आयोजित होने की संभावना है, क्योंकि नये भवन का निर्माण साल के अंत तक खिंच सकता है। दोनों सदनों द्वारा जारी समान अधिसूचनाओं में कहा गया है, सरकारी कामकाज की अनिवार्यताओं के अधीन, गुरुवार 29 दिसंबर 2022 को सत्र समाप्त होने की संभावना है। सत्र शुरू होने से पहले लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति दोनों सदनों के सुचारू कामकाज के लिए आम सहमति बनाने के वास्ते सर्वदलीय बैठकें बुलाएंगे। शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है और सत्र के दौरान करीब 20 बैठकें होती हैं, लेकिन ऐसे उदाहरण भी हैं जब 2017 और 2018 में सत्र का आयोजन दिसंबर में किया गया था।

देश में एक बार फिर से बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, मौत के मामले में हुई वृद्धि

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ समय से कोरोना के मामले कम आ रहे थे, लेकिन अब एक बार फिर से कोरोना अपनी रफ्तार पकड़ सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 408 मामले बढ़ गए हैं। वहीं, पिछले 24 घंटों में पांच मौतों के साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,30,601 हो गई है, जिसमें केरल में चार और राजथान में एक मौत शामिल है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, सक्रिय मामलेकुल संक्रमणों का 0.01 प्रतिशत हैं, जबकि राष्ट्रीय कोविड-19 के स्वास्थ्य दर बढ़कर 98.80 प्रतिशत हो गई है। 24 घंटों में सक्रिय कोविड-19 केस लोड में 165 मामलों की कमी दर्ज की गई है। ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 4,41,34,001 हो गई, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत दर्ज की गई। बता दें कि भारत में बुधवार को 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 360 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,70,075 पर पहुंच गई थी। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 6,046 रह गई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से पांच और मरीजों के जान गंवाने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,596 हुई थी।

मानव सेवा सिमिति ने इस साल अब तक 12 कन्याओं की शादी में किया सहयोग

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। हमारे समाज में रक्तदान, अंगदान और कन्यादान महादान माने जाते हैं और मेरे हिसाब से इन दानों में सहयोग करने वाले नेकदिल इंसान भी इन महादानों में सहयोग करके इन महादानों में पुन्य के भागीदार बन जाते हैं, जिनका उन्हें समय-समय पर पुन्य लाभ मिलता रहता है। इन बातों का प्रगटावा मानव सेवा समिति के चेयरमैन सुभाष मानव द्वारा आज उस समय किया गया जब संस्था द्वारा संस्था के दानी सज्जनों के सहयोग से एक जरूरतमंद परिवार की कन्या की शादी में सहयोग किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले संस्था के पास अबोहर निवासी एक जरुरतमंद परिवार द्वारा अपनी बेटी की शादी में सहयोग करने के लिए संस्था में निवेदन पत्र दिया गया था, इस निवेदन पत्र के आधार पर संस्था के सेवादारों द्वारा सर्वे करने पर उक्त परिवार जरूरतमंद पाया गया, जिस पर संस्था के कार्यालय से संस्था के साथ जुड़े हुए दानी सज्जनों को इस महादान में सहयोग करने के लिए सुचित किया गया, जिस पर संस्था के दानवीरों सुनील कुमार, मनीष पूनिया, दीपक मित्तल, चिमन लाल, विनीत झाम, विजय चानना, गौरव बजाज, दिलीप कुमार, रमन मुड, अभिषेक खुराना, दीया और बाती हम, रसदीप सिंह, डॉ. सुभाष चुघ नर्सिंग होम, पूनम कुमारी रिटायर्ड प्रिंसिपल, मोहित वधवा, सुनील गांधी, खुमारी चाय, नितिन ठठई, रिंकू मक्कड़, चंदन जुनेजा, मनीष सोनी, महेंद्र कुमार, सुनील टाक डेंटल क्लिनिक, रेनू बाला, काजल गांधी, गीता गांधी, शिमला रानी, निधि मक्कड़, स्वीटी लूथरा और नैना नागपाल ने इस उक्त जरूरतमंद परिवार के सुपुर्द किया गया और कन्या के मंगलमय जीवन के लिए परमात्मा के चरणों में अरदास की गई और सभी दानवीरों का इस महादान में भागीदार बनने के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया। गौरतलब है कि संस्था द्वारा दानवीरों के सहयोग से इस साल में अब तक 12 कन्याओं की शादी में सहयोग किया जा चुका है।

सरकार ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 'एयर सुविधा' फॉर्म भरने की जरूरत को किया समाप्त

सरकार ने देश में कोरोना वायरस के मामलों में कमी आने के बीच अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 'एयर सुविधा' फॉर्म भरने की अनिवार्यता को सोमवार को समाप्त करने का फैसला किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए संशोधित दिशा-निर्देश 22 नवंबर से प्रभावी होंगे। इससे पूर्व, दिशा-निर्देशों के तहत विदेश से भारत आने वाले यात्रियों को 'एयर सुविधा' फॉर्म भरने की जरूरत होती थी। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर इस फॉर्म की शुरूआत की गई थी।

पिछले हफ्ते, नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि हवाई यात्रा के दौरान मास्क का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है, लेकिन यात्रियों को इसका उपयोग करना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार, हवाई यात्रियों को अपने देश में कोविड-19 के खिलाफ टीकाकरण के मंजूर कार्यक्रम के अनुसार टीका लगवाना चाहिए। दिशा-निर्देशों के तहत आगमन पर यात्रियों को शारीरिक दूरी सुनिश्चित करनी चाहिए और आने वाले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग प्रवेश स्थल पर मौजूद स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा की जाएगी। दिशा-निर्देशों में कहा गया है, जांच के दौरान लक्षण पाए जाने वाले यात्रियों को तुरंत अलग कर दिया जाएगा, स्वास्थ्य प्रोटोकॉल के अनुसार निर्दिष्ट चिकित्सा केंद्र में ले जाया जाएगा। महामारी के मद्देनजर, निर्धारित घरेलू उड़ान सेवाओं को 25 मार्च, 2020 से दो महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। निर्धारित अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाओं को भी उसी दिन से निलंबित कर दिया गया था, जो इस साल 27 मार्च से बहाल की गई थी।

ओडिशा के कोरेई रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी पटरी से उतरी, 2 लोगो की हुई मौत

नई दिल्ली। देश में एक ऐसी घटना घटी जो कि सभी लोगों का दिल दहला कर रख दिया। ओडिशा के जाजपुर जिले के कोरेई रेलवे स्टेशन पर एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, इस हादसे में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं, इसपर रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी कि यह घटना सुबह करीब 6.45 में हुई हुई। बता दें कि रेलवे स्टेशनव पर जब कुछ लोग प्लेटफॉर्म पर यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थ, तब यह पूरी घटना घटी। यहां मालगाड़ी पटरी से उतर गई और आठ डिब्बे प्लेटफॉर्म पर जा गिरे, जिससे कई लोग हताहत हुए, वहीं इस हादसे के बीच प्रशासन का कहना है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। क्योंकि कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बता दें कि पटरी से उतरने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, वहीं अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन की जो सेवाएं हैं वह आंशिक रूप से प्रभावित हुई है। वहीं मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कोरेई में ट्रेन दुर्घटना में यात्रियों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और पीड़ितों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

बाल तपस्विनी अणसीबाई के दो दिवसीय मेले में उमड़े श्रद्धालु की लगी भिडभजनो पर श्रोता हुए भाव-विभोर

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

नाडोल कस्बे के पाली-उदयपुर हाइवे खारडा रोड स्थित बाल तपस्विनी अणसीबाई समाधि स्थल प्रांगण मे आयोजित दो दिवसीय मेले मे उमडे श्रद्धालु बाल तपस्विनी अणसीबाई के दरबार मे मात्था टेक की खुशहाली की कामनाएं बाल तपस्विनी विकास संस्थान नाडोल के तत्वावधान मे महंत पुजारी हरजी महाराज के सानिध्य मे मेले 24 नवम्बर दिन गुरुवार रात्री को आयोजित एक शाम बाल तपस्विनी अणसीबाई के नाम विशाल भक्ति संध्या कार्यक्रम मे गायक कलाकार अशोक डूरिया एण्ड पार्टी मारवाड जक्शन, मनीष परिहार तखतगढ़, संदीप सेजू, प्रभु माधव, गोपी किशन, गणेश बुराचिया के भजनो पर वैष्णव नन्नी परी, बाबा की झाकी का नृत्य से शानदार प्रस्तुतिया देकर श्रोताओ को भाव विभोर कर दिया। वही 25 नवंबर सुबह हवन महाआरती, ध्वजा चढाकर मेला का आगाज शुरू किया गया मेले मे सैकडो संत का सानिध्य रहा। कार्यक्रम मे बाल तपस्विनी अणसी बाई विकास संस्थान की ओर से

संत महात्माओं सहीत अतिथियो व भामाशाहो का साफा,शॉल व माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। मेले मे दोनो तरफ दुकानो पर मणिहारी, मिठाई, साज सामान, झुले आदी का लोगो ले लुप्त उठाया। महा प्रसादी स्वःचेलाराम मालवीय लोहार सिरोही द्वारा कि गई। माण्कचंद आहोर, छोटुदेवी जोधपुर, मोहनलाल बोस, खरताराम, डुगंरराम जालोर, विरेन्द्र, स्वःदेवाराम गुंजरीया, पुखराज कटारीया, -इन्होने की शिरकत कार्यक्रम मे कांग्रेस पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष भैरूसिहं राजपुरोहित, गोदाव बायोसा उपासक प्रतापराम गोयल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रतन जणवा,देसूरी प्रधान संगीता कंवर राजपुरोहित, कांग्रेस नेता मुन्नालाल मेंशन, रानी थानाधिकारी महेन्द्रसिहं खिंची, खिवाडा थानाधिकारी टीकाराम मेघवाल, पूर्व विकास अधिकारी घीसाराम बामणिया चाचैडी, चाईल्ड विजन फा. मुंबई सुरज गेहलोत सालरिया, राष्ट्रीय मेघवाल प्रदेश मंत्री अहमदाबाद कुकाराम पंवार आइचिया, महिपालसिह (कमशा) आदी ने शिरकत की कार्यक्रम का मंच संचालन रमेश सरेल बारवा ने किया। मेले को सफल बनाने मे बाल तपस्विनी विकास संस्थान नाडोल के अध्यक्ष कालुराम सोनेल, कोषध्यक्ष भलाराम मोबारसा,धनाराम बुसी, टिकमचंद भटनागर, हिरालाल, विजयराज बावलतेजाराम, मेघाराम, शंकरलाल बाफना, अजयपाल गोदन, भानाराम बोरडी, नरेशभटनागर, कन्हैया भाटी,सहित कार्यकारीणी के सदस्यो सहित दुर दराज के लोगो एवं समस्त ग्रामवासीओ ने भाग लिया।

तीन साल में 475 वंदे भारत ट्रेन तैयार करने की परियोजना पर काम जारी: रेल मंत्री

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगले तीन साल में 475 वंदे भारत ट्रेन तैयार करने की योजना पर काम जारी है। मंत्री ने कहा कि बुलेट ट्रेन 2026 तक पूरी तरह से संचालित होने लगेगी। उन्होंने कहा, 475 वंदे भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य हासिल करने की ओर बढ़ रहे हैं। पिछले बजट में 400 ट्रेन को मंजूरी दी गई थी और इससे पहले 75 को ट्रेन स्वीकृति दी जा चुकी थी। हम आने वाले तीन वर्ष में लक्ष्य हासिल कर लेंगे। महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन परियोजना के समय और लागत में वृद्धि के सवाल पर मंत्री ने कहा कि ऐसी ट्रेन के लिए प्रौद्योगिकी और प्रारंभिक डिजाइन का चरण बहुत जटिल होता है। उन्होंने कहा, '...हमने करीब 110 किमी का ट्रैक बना लिया है। ट्रेन 2026 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी।'

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

गहलोत के गद्दार वाले बयान पर बोले जयराम रमेश- कांग्रेस पार्टी को दोनों नेताओं की है जरूरत

नई दिल्ली। राजस्थान में इन दिनों सियासी गमासान चल रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पायलट पर तंज कसते हुए कहा था कि वह गद्दार है और पार्टी को तोड़ने की कोशिश कर रहे है। इस घमासान को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा गहलोत वाले बयान को अप्रत्याशित करार दिया औ स्पष्ट किया कि कांग्रेस को दोनों दिग्गज नेताओं की जरूरत है। राजस्थान के मसले का उचित हल व्यक्तियों को देखते हुए नहीं, बल्कि पार्टी संगठन को प्राथमिकता देकर निकाला जाएगा। कांग्रेस के संचार, प्रचार और मीडिया विभाग के प्रभारी महासचिव रमेश इन दिनों राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' में शामिल हैं। पायलट को गहलोत द्वारा 'गद्दार' कहे जाने को लेकर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर उन्होंने सनावद में संवाददाताओं से कहा, गहलोत, कांग्रेस के वरिष्ठ और अनुभवी नेता हैं। लेकिन उनके द्वारा एक साक्षात्कार में (पायलट के लिए) जिस शब्द (गद्दार) का इस्तेमाल किया गया, वह अप्रत्याशित था और इससे मुझे भी आश्चर्य हुआ। रमेश ने कांग्रेस को एक परिवार बताया और कहा, पार्टी को गहलोत और पायलट, दोनों की जरूरत है। कुछ मतभेद हैं जिनसे हम भाग नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व द्वारा राजस्थान से जुड़े मसले का उचित हल निकाला जाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा, ...लेकिन यह हल कांग्रेस संगठन को प्राथमिकता देते हुए निकाला जाएगा। हम व्यक्तियों के आधार पर कोई हल नहीं निकालेंगे। रमेश ने पायलट की तारीफ करते हुए उन्हें कांग्रेस का 'युवा, ऊर्जावान, लोकप्रिय और चमत्कारी नेता' करार दिया। गौरतलब है कि गहलोत ने एनडीटीवी को दिए साक्षात्कार में पायलट को 'गद्दार' करार देते हुए कहा है कि उन्होंने वर्ष 2020 में कांग्रेस के खिलाफ बगावत की थी और गहलोत नीत सरकार गिराने की कोशिश की थी इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता। पायलट को लेकर गहलोत के इस बयान से राजस्थान में कांग्रेस की आंतरिक कलह बढ़ती नजर आ रही है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। यह बयान ऐसे वक्त दिया गया, जब राहुल गांधी नीत 'भारत जोड़ो यात्रा' की राजस्थान में चार दिसंबर को दाखिल होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। गहलोत की बयानबाजी से कांग्रेस की भारी फजीहत के बीच रमेश ने राजस्थान के मुख्यमंत्री का नाम लिए बगैर कहा, कांग्रेस के नेता बिना किसी डर के अपने मन की बात कहते हैं क्योंकि पार्टी आलाकमान तानाशाही के आधार पर कोई निर्णय नहीं लेता। कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के 10 इंस्पेक्टरों में फेरबदल: अब गोविंद नगर भी बनेगा इंस्पेक्टर धनंजय की नेतृत्व कुशलता का गवाह

मुंबई हलचल/सुनील बाजपेई

कानपुर। कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले यहां के पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने 10 थाना में फेरबदल किया है।इनमें से गैर जिले स्थानांतरण के कारण शिवराजपुर के इंस्पेक्टर जितेंद्र परिहार को पुलिस लाइन भेजा गया है। देर रात जारी की गई इस तबादला गस्ती में चकेरी, बाबूपुरवा, पनकी, फजलगंज, शिवराजपुर कल्याणपुर, स्वरूप नगर, गोविंद नगर और सीसामऊ के इंस्पेक्टर का स्थानांतरण किया गया है। इसी क्रम में चुनौतीपूर्ण गोविंद नगर की कमान स्वरुप नगर के इंस्पेक्टर तेजतर्रार धनंजय कुमार पांडेय को सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड द्वारा जारी इस तबादला गस्ती में फजलगंज भेजे गए इंस्पेक्टर आशीष द्विवेदी के स्थान पर जहां तक इंस्पेक्टर गोविन्द नगर के रुप में धनंजय पांडेय की चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है, उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और

गैर जिले स्थानांतरण के कारण शिवराजपुर के इंस्पेक्टर जितेन्द्र परिहार को भेजा पुलिस लाइन

पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड द्वारा पुलिस महकमे में किए गए इस भारी फेरबदल के मद्दे नजर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के जुझारू तेवरों वाले कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले सरल और शालीन स्वभाव के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। यही वजह है कि कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है।

नाबालिग लड़की से छेड़खानी के आरोपी को तीन महीने की सजा

मुंबई हलचल/संवाददाता

बुलढाणा। नाबालिग लड़की से छेड़खानी के मामले में दोषी पाए जाने के बाद एक आरोपी को खामगांव स्थित जिला सत्र न्यायालय ने तीन महीने की कैद की सजा सुनाई है। साथ ही पांच हजार रुपए जुर्माना भी लगाया। यह महत्वपूर्ण निकाल न्या. ए.एस. वैरागडे द्वारा दिया गया। प्राप्त विवरण के अनुसार नाबालिग कुमारी के घर के सामने गुजरते हुए जोर-जोर से गाने गाता, लड़की को स्कूल जाते समय पीछा कर और उसे परेशान करता रहता, इस के बारे लड़की अपने माता पिता को बताया, लड़की के मां बाप ने लड़के को समझाया लेकिन लड़के ने उनके साथ गाली-गलौज की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

यह मामला 4 मई 2017 को हुआ था। इस मामले में पीड़िता की शिकायत पर खामगांव ग्रामीण थाने में आईपीसी की धारा 354 ए, 354 ए.पी.के. 2012 के अनुसार मामला दर्ज कर न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। सरकारी पक्ष द्वारा कुल छह गवाहों का परीक्षण किया गया। एपीआई संदीप गाडे द्वारा घटना की जांच की गई थी। अन्य गवाहों मनोहर दयाराम धागे, पीड़िता के चाचा, पीड़िता के पिता व पीड़िता की गवाही के अनुसार आरोपी के खिलाफ अपराध साबित हुआ। इसी बिना पर के एक गांव के आरोपी प्रवीण विठ्ठल गोरसे को विशेष कानून के तहत तीन महीने कारावास, पांच हजार रुपये जुर्माना और भुगतान न करने पर 15 दिन कारावास की सजा सुनाई गई। सरकारी पक्षकारों की ओर से सभी छह गवाहों का परीक्षण लोक अभियोजक उदय आप्टे ने किया। चंद्रलेखा शिंदे ने मामले में अदालत के वकील के रूप में सहयोग किया।

अवैध रूप से गुटखा की ढुलाई करने वाली वाहन पर कार्रवाई, 5 लाख का माल जब्त

मुंबई हलचल/संवाददाता

बुलढाणा। शहर में गुटखा लेकर आई वाहन को एलसीबी ने पकड़कर गुटखा सहित 5 लाख रुपए का माल जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर के बुलढाणा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मलकापुर से एक टाटा 407 वाहन में प्रतिबंधित गुटखा ले जाने की एलसीबी को एक गुप्त सूचना मिली थी। इस विश्वसनीय सूचना के आधार पर स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने टाटा 407 वाहन क्रमांक एमएच-28 5699 आर. टी ओ वाहन को कार्यालय, मलकापुर रोड, बुलढाणा में रोककर तलाशी ली। वाहन की तलाशी के दौरान पिछले हिस्से में फलों और सब्जियों के परिवहन के लिए एक प्लास्टिक कैरेट बंधा हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब कैरेट

निकाल कर देखा तो वाहन में प्लास्टिक की 14 बड़ी बोरियों में राजनिवास सुंगधीत पान मसाला व प्रिमीयम जाफरानी जर्दा के ४४०० पुडे कुल 5 लाख 15 हजार 328 मुद्दे माल जप्त किया गया। वाहन चालक शेख सलीम शेख इस्माइल ५४ वर्ष रा. आनंदनगर, वार्ड क्रं. २० चिखली, प्रतिबंधित गुटखा का व्यवसायी निसार हाजी रा. चिखली के खिलाफ बुलढाणा शहर पुलिस स्टेशन में पोहेका दीपक लेकुरवाले की शिकायत पर आईपीसी की धारा 328, 188, 273. बनाम खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 59 (1) के तहत दंडनीय धारा 26 (2), (खाट) के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिला पुलिस अधीक्षक सारंग आवाड, अप्पर पोलिस अधीक्षक बि. बि. महामुनी इनके मार्गदर्शन में पोलिस निरीक्षक एलसीबी बळीराम गिते इनके आदेश पर विलासकुमार सानप, सपोउपनि दशरथ जुमडे, पोहेकाँ दिपक लेकुरवाळे, पोना, विजय वारुळे, संजय भुजबळ, संभाजी आसोलकर, केदार फाळके, पोकों सतिष जाधव पोना शिवानंद मुंडे सहित टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

उत्तराखंड काव्य महोत्सव में देश भर के 300 कलाकार सम्मिलित हुए

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। बुलंदी साहित्यिक सेवा समिति (पंजीकृत राष्ट्रीय स्तर) द्वारा रूद्रपुर शहर में संस्था का द्वि दिवसीय वार्षिक कार्यक्रम उत्तराखंड काव्य महोत्सव (काव्य का महाकुंभ) का आयोजन किया गया। बुलंदी संस्था के मीडिया प्रभारी गुरूदीन वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार से आए 300 कलाकारों ने अपनी कविताओं से समां बांधा। इस पूरे कार्यक्रम का आयोजन संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी तथा संयोजक पंकज शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सभी सदस्यों रिंकू निगम, नीलेश कुमार, नवीन आर्या,पवन मेहरोत्रा, हारून राशिद, रविकांत यादव, मातृका बहुगुणा, अक्षिता रावत, ममता नेगी, अनामिका चौकसे, सत्यार्थ दीक्षित सहित देशभर से आए सभी 300 कलमकारों हिन्दी साहित्य की निःस्वार्थ सेवा करने हेतु साहित्य शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी वर्मा के अनुसार पिछले वर्ष बुलंदी संस्था ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु 207 घंटे का अनवरत कार्यक्रम आयोजित करवाया था जिसे इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है तथा इस वर्ष 21अगस्त से 5 सितंबर तक अनवरत 370 घंटे का अंतराष्ट्रीय वर्च्युअल कवि सम्मेलन करवाया है जिसमें दुनिया भर के45 देशों के हिन्दी कवियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिसे विश्व रिकॉर्ड के रूप में इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा। बुलंदी संस्था उत्तराखंड के बाजपुर से संचालित होती है। जिसका उद्देश्य सभी प्रतिभावान नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान करना है जिसके लिए संस्था विगत वर्षों से निरन्तर निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है तथा समय-समय पर साहित्यिक गतिविधियों द्वारा नवोदित कलाकारों को मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गर्भ निरोधक गोलियों से अपाहिज होने का खतरा

रक्तचाप बढ़ने के साथ हार्मोन भी हो सकते हैं प्रभावित

गर्भ निरोधक गोलियों का सेवन महिलाओं सदा के लिए अपाहिज बना सकता है। खास तौर पर यह तब होता है, जब दवाओं का सेवन करने वाली महिला का वजन ज्यादा हो और उसकी उम्र 30 से 35 वर्ष हो। इन महिलाओं में ब्रेन अटैक या स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। इस संबंध में डॉक्टरों ने चेतावनी भी जारी कर रखी है। विशेषज्ञों के अनुसार महिलाओं में स्ट्रोक का खतरा यूं तो डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, खून की कमी, मोटापे से तो होता ही है, लेकिन गर्भ निरोधक गोलियां खाने से इस्कीमिक स्ट्रोक का खतरा ज्यादा बढ़ रहा है। इन गोलियों से रक्त का थक्का बन जाता है, जिससे मस्तिष्क में रक्त वाहिनियों में रुकावट आ जाती है। ऐसी गोलियों से अचानक वजन बढ़ जाता है।

गर्भधारण में भी दिक्कत!

सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. एसपी पाटीदार ने बताया कि खासतौर पर 30 से 35 साल की महिलाओं में गर्भनिरोधक गोलियां लगातार खाने से ब्रेन अटैक या स्ट्रोक की संभावना ज्यादा रहती है। दिमाग की नसों में ब्लॉकेज हो सकता है। रक्तचाप बढ़ जाता है और शरीर के हार्मोन प्रभावित होते हैं। हार्मोन पैटर्न बदलने से गर्भधारण में भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए जो महिलाएं गर्भ निरोधक गोलियां लेती हैं, उनमें स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

अकाल मृत्यु का भी कारण

धूम्रपान व शराब सेवन करने वाली महिलाओं को स्ट्रोक का खतरा अधिक रहता है। ऐसी महिलाओं को गर्भ निरोधक गोलियां नहीं खाने की सलाह दी जाती है। स्ट्रोक एक गंभीर आपात स्थिति है, जो आज विश्व में विकलांगता और अकाल मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी है। यह दिमाग में एक हिस्से में खून का प्रवाह बंद होने से होता है।

– महिलाओं में यूं तो खून की कमी, डायबिटीज, तनाव, मोटापा आदि से स्ट्रोक का खतरा रहता है। लेकिन गर्भनिरोधक गोलियां खाने से इसका खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। इससे बचाव जरूरी है, क्योंकि स्ट्रोक जिंदगीभर के लिए अपाहिज बनाने वाली बीमारी है।

इन संकेतों से समझें कब लगाना है मीठा खाने पर ब्रेक

ऐसा नहीं है कि केवल डायबिटीज के मरीजों को ही चीनी नहीं खानी चाहिए, कम या बिल्कुल चीनी न खाना सभी के लिए फायदेमंद है। मीठा खाने से खुद को रोकना मुश्किल है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि सेहत के लिहाज से ज्यादा मात्रा में चीनी का उपभोग नुकसानदायक साबित होता है। ज्यादा चीनी से शरीर को होने वाले नुकसानों के बारे में जानने के बाद आपको शायद इसका स्वाद उतना मीठा न लगे। अब यहां सवाल यह उठता है कि आपको कैसे पता चलेगा कि आप चीनी जरूरत से ज्यादा खा रही हैं? इसका जवाब आपको कुछ संकेतों में मिलेगा, जिन पर गौर करके आपको यह समझ आ जाएगा कि यह चीनी कम करने का वक्त है।

दिनभर सुस्त रहना

मीठा खाने के बाद आपका इंसुलिन बढ़ेगा और आपको चुस्ती भी महसूस होगी लेकिन कुछ समय के बाद यह सुस्ती में बदल जाएगी। ज्यादा चीनी खाने के दूसरे मायने ये भी हैं कि आप प्रोटीन और फाइबर की पर्याप्त मात्रा नहीं ले रही हैं, जो ऊर्जा को बनाए रखने के लिए जरूरी हैं।

दिमाग की परेशानी

दिमाग का मंद पड़ जाना लो ब्लड शुगर का एक सामान्य लक्षण है। जब आप ज्यादा मीठा खाती हैं तो आपका ब्लड शुगर का स्तर धीरे-धीरे बढ़ने की बजाए तेजी से बढ़ता और गिरता है। ब्लड शुगर पर खराब नियंत्रण दिमाग संबंधी परेशानियों और दुर्बलता का कारण बन सकता है।

हमेशा मीठा खाने की इच्छा

आप जितना मीठा खाएंगी, इसकी इच्छा और बढ़ेगी और यह एक कुचक्र बन जाएगा, जिसका तोड़ना मुश्किल हो जाता है। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं होता कि आपकी जीभ को इसका स्वाद पसंद है, बल्कि इसलिए भी होता है क्योंकि इसे खाने के बाद आप ऊर्जा से भरा महसूस करती हैं। ज्यादा चीनीयुक्त डाइट आपके शरीर में हॉर्मोनल बदलाव कर आपको ऊर्जा का अहसास करवाती है और इसके घटते ही शरीर और मीठे की मांग करने लगता है।

वजन बढ़ना

ज्यादा मीठे का मतलब ज्यादा कैलोरीज और शून्य फाइबर व प्रोटीन। नतीजा यह होता है कि आपका पेट नहीं भरता और आप इसे खाती चली जाती हैं। इससे इंसुलिन बढ़ता है, जिसे वजन बढ़ाने के लिए जिम्मेदार समझा जाता है। शुरूआत में जो वजन मीठे में मौजूद ज्यादा कैलोरीज की वजह से बढ़ना शुरू होता है, वह इंसुलिन की गड़बड़ी से और बढ़ने लगता है। जब इसका प्रभाव अग्नाशय पर आता है तो डायबिटीज का शिकार हो सकती हैं।

दांतों की सड़न

जब दांतों में फंसे खाने में बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं तो एसिड उत्पन्न होता है, जो दांतों की सड़न की वजह बनता है। मुंह में मौजूद लार बैक्टीरिया से लडे में सक्षम होती है लेकिन मीठा खाने के कारण पीएच प्रभावित हो सकता है, जिसकी वजह से यह प्राकृतिक प्रक्रिया रुक जाती है।

घरों में लगाएं पौधे, बीमारियां रहेंगी कोसो दूर!

घर के आस-पास हरियाली होतो बीमारियों भी दूर भागने लगती है। हर कोई शुद्ध हवा चाहता है, लेकिन घर के नजदीक पार्क या ग्रीनरी होना संभव नहीं है। ऐसे में आप अपने घर के आसपास के वातावरण को पौधे लगाने के जरिए हरा-भरा और शुद्ध बनाए रख सकते हैं। एलोवेरा, स्पाइडर प्लांट जैसे पौधे हवा को शुद्ध करते हैं। इन पौधों को आप आसानी से अपने घर में लगा सकते हैं। आइवी पौधा अपने रोपण के छह घंटे के भीतर ही हवा को शुद्ध करना शुरू कर देता है। यह हवा में मौजूद अवशिष्ट कणों को 58 प्रतिशत और हानिकारक विषाक्त कणों को 60 प्रतिशत तक दूर कर देता है। एलोवेरा ऐसा माना जाता है कि एक एलोवेरा का पौधा नौ एयर प्यूरीफायर (हवा को शुद्ध करने वाला उपकरण) के बराबर होता है। यह हर मौसम और मिट्टी में आसानी से लग जाता है। यह कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड को अवशोषित कर लेता है। घर में लगाए जाने वाले लाभकारी पौधों में से यह एक है।

मुंह में ऐसे भरें तेल, चेहरा रहेगा बेदाग सेहत रहेगी दुरुस्त

आयुर्वेद में दांतों, जीभ और मुंह के अंदर वाले हिस्से को स्वस्थ रखने के लिए ऑयल पुलिंग करने की सलाह दी जाती है। ऐसा लगभग 3 हजार से ज्यादा वर्षों से किया जा रहा है। इस ऑयल पुलिंग कई अन्य फायदे भी हैं। कुछ खास तेल से ही इसको किया जाता है।

ऐसे किया जाता है ऑयल पुलिंग

तिल, जैतून या नारियल के तेल को मुंह में लेकर 10-15 मिनट के लिए घुमाया जाता है। इसके बाद जब तेल पतला हो जाता है तो इसे थूककर मुंह की अच्छी तरह से सफाई कर ली जाती है।

ऑयल पुलिंग के समय बरती जाने वाली सावधानी

इसे करते समय ध्यान रखें कि तेल निगले नहीं क्योंकि 15 मिनट की प्रक्रिया में मुंह में मौजूद तेल में बैक्टीरिया, वायरस व विषाक्त पदार्थ बढ़ जाते हैं। साथ ही ध्यान रखें कि सुबह के समय खाली पेट तेल से कुल्ला करने से ज्यादा फायदा होता है। इसे करने के बाद आप नमक से दांतों और मसूढ़ों की मसाज भी कर सकते हैं।

इससे होने वाले लाभ

ऑयल पुलिंग से मुंह के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा दांतों की सेंसिविटी कम होने के साथ-साथ इससे सिरदर्द, ब्रोंकाइटिस, दांतदर्द, अल्सर, पेट, किडनी, आंत, हार्ट, लिवर, फेफड़ों के रोग और अनिद्रा से भी राहत मिलती है। साथ ही बैक्टीरिया के बाहर निकलने से पाचनक्षमता भी दुरुस्त होती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रणबीर-आलिया ने किया बेटी के नाम का ऐलान

आलिया और रणबीर ने अपनी बेटी की एक पिक्चर शेयर की हैं। साथ ही अपनी बेटी के नाम भी अब आलिया और रणबीर ने पर्दा हटा दिया हैं। इस फोटो में रणबीर ने अपनी लाड़ली को गोद में लिए हुए हैं। हालांकि इनकी ये फॅमिली पिक्चर पूरी तरह से साफ नहीं हैं और ये ब्लर जैसी ही दिखाई दे रही हैं। साथ ही इस दौरान दोनों ने अपनी बेटी के नाम का भी खुलासा किया है। आलिया भट्ट-रणबीर कपूर अपनी लिटिल प्रिंसेस का नाम 'राहा कपूर' रखा है। इसके साथ ही आलिया ने पोस्ट में ये भी बताया की उनकी प्रिंसेस का ये नाम उनकी चालाक और वंडरफुल दादी ने रखा हैं। साथ ही आलिया ने अपने बेटी के नाम का ढेरो मतलब भी बताया हैं। जहां आलिया ने लिखा है की राहा का असल में मतलब दिव्य पथ.. स्वाहिली में इसका मतलब खुश है... संस्कृत में राहा का मतलब- एक वंश बढ़ाने वाला है.. बंगाली में राहा का मतलब- आराम, कम्फर्ट, राहत, है.. तो वहीं अरबी में इसका मतलब शांति है... इस नाम का मीनिंग खुशी, स्वतंत्रता और आनंद भी है। आखिर में एक्ट्रेस ने लिखा- थैंक यू राहा, हमारी फैमिली में जान डालने के लिए। ऐसा लग रहा है जैसे हमारी लाइफ अभी-अभी शुरू हुई हो।

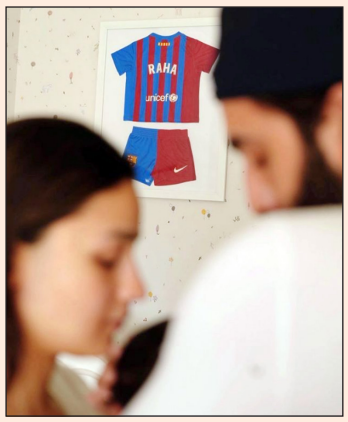

फूटा जाह्नवी कपूर का गुस्सा

जाह्नवी कपूर ने फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो कि करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले तैयार की गई थी। जाह्नवी और ईशान खट्टर स्टारर धड़क पर्दे पर हिट साबित हुई थी। मगर फिर भी जाह्नवी को इसे लेकर काफी ट्रोल किया जाता है। जिस पर हाल ही में प्रतिक्रिया देते हुए बोनी कपूर की लाडली ने कहा है कि करण जौहर द्वारा लॉन्च किए जाने की वजह से उन्हें ट्रोल किया जाना भले आसान है, लेकिन फिर भी वो अपने इस कदम से खुश हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जाह्नवी कपूर से धर्मा के साथ जुड़ाव के चलते मिल रही ट्रोलिंग को लेकर सवाल किया गया जिसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि यह फैक्ट है कि धर्मा एक जाना-माना प्रोडक्शन हाउस है। हां, इसने मुझ पर थोड़ा प्रेशर जरूर डाला है और मुझे एक ऐसा टार्गेट भी बनाया है, जिससे नफरत करना आसान है। अदाकारा ने इसके बाद धर्मा के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस को लेकर बताया कि मुझे कभी भी, एक पल के लिए भी इस पर पछतावा नहीं होगा। क्योंकि धर्मा और करण ने मुझे जो दिया है, वह मुझे अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली होने का एहसास दिलाता है। अगर आप करण को जानते हैं और यह जानते हैं कि वह प्रोडक्शन हाउस किस चीज के बल पर खड़ा है।

क्या सच में वरुण धवन के घर गूंजने वाली है किलकारियां?

उड़ती-उड़ती खबरे ऐसी सामने आ रही हैं की वरुण धवन के घर जल्द की किलकारियां गूंजने वाली हैं। यानी की वरुण की पत्नी नताशा दलाल प्रेग्नेंट हैं। वही जब इस खबर के बारे में वरुण धवन से पूछा गया तो उन्होंने इसे झूठ बताते हुए कहा की नताशा दलाल प्रेगनेंट नहीं है और अभी वो और उनकी वाइफ एक बेबी डॉग के पेरेंट्स हैं। इसके बाद एक्टर ने जानकारी दी कि आगे आने वाले कुछ सालों में वो माता-पिता बन सकते हैं। इसके साथ ही एक मीडिया ग्रुप को दिए हालिया इंटरव्यू में वरुण ने एक और बड़ा खुलासा कर दिया हैं। जहां वरुण ने बताया की शादी के पहले बचपन में उन्होंने ये सोचा था की वो लाइफ में कभी शादी नहीं करेंगे। लेकिन जब वो अपनी वाइफ नताशा दलाल से मिले उसके बाद उन्हें लगा कि यही वो लड़की है जो उन्हें हर हाल में समझ सकती है क्यों की वरुण के लिए हमेशा से शादी का मतलब अंडरस्थैंडिंग रहा था। और नताशा इसपर बखूबी खरी उत्तरी हैं।